

i sj & r rh; % y?kq 'kY; f pfdRI k
I eLVj i fke
dkd I dk uke % y?kq 'kY; f pfdRI k & A
कोर्स नं. ए.एच.डी. 231 क्रेडिट ऑवर 3 (1+2)

I S k fUrd

1. निःसंकमण (स्टरलाइजेशन) की विभिन्न विधियां ।
2. पूर्ति एवं अपूर्ति दोष (सेप्सीस व एसेप्सीसी) की परिभाषा एवं उपयोग ।
3. पशुओं को चोट लगने पर प्राथमिक उपचार ।
4. पशुओं को निश्चेतन करने संबंधी सामान्य ज्ञान ।
5. पशुओं के घाव आदि को टांके लगाने व टांके लगाने के काम आने वाले उपकरणों का सामान्य ज्ञान ।
6. पशुओं के अंक लगाला, दांगना तथा सींग व पूंछ का विच्छेदन करना ।

i k; kfxd

1. शल्य चिकित्सा में काम आने वाले उपकरणों का रख रखाव एवं उपयोग ।
2. पशु चिकित्सालय में काम आने वाले उपकरणों का निःसंकमण करना, चोट व घावों का प्राथमिक उपचार व पट्टी करना ।

I eLVj f}rh; &

dkd I dk uke % y?kq 'kY; f pfdRI k & AA
कोर्स नं. ए.एच.डी. 232 क्रेडिट ऑवर 3 (1+2)

I S k fUrd

1. पशुओं के अंक लगाला, दांगना तथा सींग व पूंछ का विच्छेदन करना ।
2. पशुओं के घाव एवं उनके उपचार, रसोली आदि खोलना व प्राथमिक उपचार ।
3. पशुओं में मोच, डिसलोकेशन आदि के लक्षण एवं प्राथमिक उपचार ।
4. पशुओं के हडडी विभंग के प्रकार एवं प्राथमिक उपचार ।
5. पशु चिकित्सालय एवं प्रयोगशाला में काम आने वाले उपकरणों का सामान्य ज्ञान ।

i k; kfxd

1. पशुओं को शल्य क्रिया हेतु तैयार करना व पशु चिकित्सक को सहयोग करना ।
2. पशुओं को बधिया करने संबंधी समस्त ज्ञान का प्रदर्शन ।